THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE AND THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI MOTI LAL VORA): (a) to (c) Air India management did not organise any local cricket tournament in Bombay. The Krida Vibhag (Sports Wing) of Air India Sthaniya Lokadhikar Samiti organised a departmental local cricket tournament from January 23 to 28, 1988 which was open to all employees of the Corporation without any distinction of caste, creed, etc. Air India did extend necessary assistance by way of making available sports ground, granting permission to print the Souvenir in Air India press and reimbursing certain incidental expenses to the extent of Rs. 3,000|- for conducting the tournament. Air India Sports Central Board presented a Runners-up trophy from its old stock of trophies.

Air India Sthaniya Lokadhikar Samiti is a unit of Shiv Sena. Contents of the Souvenir will be examined to determine whether they are detrimental to the unity and integrity of the country.

सूचना पट्टों पर प्रदर्शित सूचनाओं में हिन्दी

2919. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : क्या नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि नागर विमानन विभाग के अधीन विमान पत्तनों पर सूचना पट्टों पर सूचना देने, टिकटों पर स्टाम्प लगाने, यात्रियों के नाम, संचालन और रख-रखाव के बारे में जानकारी आदि देने संबंधी सभी कार्य अंग्रेजी में किए जाते हैं इसी प्रकार इसके होटलों में भी सभी कार्य अंग्रेजी में किए जाते हैं ;

(ख) क्या यह भी सच है कि वायुयानों में सुझाव पत्र दिए जाते हैं किन्तु अनेक स्मरण पत्र दिए जाने के बावजूद भी उनका कोई उत्तर नहीं दिया जाता ;

(ग) उड़ानों के दौरान लिफाफे, पोस्ट कार्ड और पैन उपलब्ध न कराये जाने के क्या कारण हैं जबकि अन्य देशों में ये उपलब्ध कराये जाते हैं ; और

(घ) क्या यह भी सच है कि मधुमेह और हृदय रोगियों के लिए भोजन की उपयुक्त व्यवस्था भी नहीं है जबकि इस प्रकार के काफी व्यक्ति यात्रा करते हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा नागर विमानन मंत्री (श्री मोती लाल वोरा): (क) नोटिस बोर्डों में और होटलों के कार्य में अंग्रेजी और हिन्दी दोनों का ही प्रयोग किया जाता है। लेकिन अन्तर्राष्ट्रीय विमान परिवहन संस्था की अपेक्षाओं के अनुसार टिकटों पर स्टैम्पिंग और अन्य प्रविष्टियां अंग्रेजी में ही की जाती हैं।

(ख) यात्रियों से प्राप्त सुझावों का उत्तर दिया जाता है।

(ग) अन्तर्राष्ट्रीय उड़ानों में प्रथम और क्लब श्रेणी के यात्रियों को लिफाफे, पोस्टकार्ड और पेन उपलब्ध कराए जाते हैं। अनुरोध करने पर "इकोनोमी" श्रेणी के यात्रियों को भी ये वस्तुएं दी जाती हैं। तथापि, अन्तर्देशीय उड़ानों में ये वस्तुएं उपलब्ध नहीं कराई जाती क्योंकि ये उड़ाने कम अवधि की होती हैं।

(घ) यदि पर्याप्त समय पूर्व अनुरोध किया जाये तो एयर-इंडिया की उड़ानों में मधुमेह और हृदय रोगियों के लिए भोजन की व्यवस्था की जाती है। इंडियन एयरलाइन्स ऐसे रोगियों के लिए

विशिष्ट भोजन नहीं देती। तथा इंडियन एयरलाइन्स को व्यंजन-सूची में उनके लिए उचित मिश्रण की व्यवस्था रहती है वायुदूत कम दूरी का प्रचालन करने वाली वाहक कम्पनी है, अतः उड़ान के दौरान भोजन नहीं देती।

हस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों में अध्ययन और अनुसंधान में हिन्दी क प्रयोग

2940. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादवः** क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) "क" क्षेत्र में कितने संस्थान और हस्पताल ऐसे हैं जहां शत-प्रतिशत कार्य राजभाषा हिन्दी में किया जा रहा है, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) इन संस्थानों में ऐसे कितने व्यक्ति हैं जो हिन्दी में प्रवीण हैं और वे अपना कितना प्रतिशत कार्य हिन्दी में करते हैं ; और

(ग) इन क्षेत्रों में शत-प्रतिशत कार्य हिन्दी में किए जाने को सुनिश्चित करने के लिए क्या योजना/कार्यक्रम हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे): (क) से (ग) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के "क" क्षेत्र में स्थित संस्थानों और अस्पतालों में सरकारी कार्य हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में किया जा रहा है। इस मंत्रालय के "क" क्षेत्र में स्थित कुल 49 अधीनस्थ कार्यालयों/संस्थानों आदि में से 37 कार्यालयों के 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों को हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है। हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदमों में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल हैं-(i) हिन्दी टिप्पण आलेखन कार्यशालाएं आयोजित करना, (ii) हिन्दी सप्ताह का आयोजन करना, (iii) राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के लिए देश के विभिन्न भागों में स्थित कार्यालयों का निरीक्षण, (iv) नगद पुरस्कार आदि के माध्यम से कर्मचारियों को प्रेरित और उत्साहित करना, (v) किसी भी स्तर पर आ रही अड़चनों को पारस्परिक सम्पर्क के माध्यम से दूर करना।

अधिसूचित कार्यालयों में 1-4-88 से नियम 8(4) के कार्यान्वयन के बारे में राजभाषा विभाग के हाल ही के आदेश भी सभी संगठनों को जारी कर दिए गए हैं।

हस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों में अध्ययन और अनुसंधान में हिन्दी का प्रयोग

2941. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) केन्द्रीय सरकार के अधीन इस विभाग में अंतर्गत विभिन्न स्तर के कितने शिक्षा संस्थान ऐसे हैं जहां अध्ययन किया जाता है, अनुसंधान कार्य किया जाता है और साख्यिकीय संबंधी अध्ययन किया जाता है, आंकड़े आदि तैयार किये जाते हैं, इन संस्थानों में से ऐसे कितने हैं जो "क" क्षेत्र में हैं और जहा शत-प्रतिशत कार्य हिन्दी मे किया जाता है और व हिन्दी के प्रयोग के संबंध में देश का मार्ग दर्शन कर रहे है, और

(ख) क्या यह सच है कि इस सम्पूर्ण क्षेत्र में हिन्दी की घोर उपेक्षा की जा रही है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) इस मंत्रालय के अन्तर्गत शिक्षा के प्रत्येक स्तर के लिए केन्द्रीय सरकार के स्वामित्व वाली संस्थाओं की संख्या जहां अनुसंधान कार्य किए जाते हैं और सांख्यिकी अध्ययनों से संबंधित कार्य, सांख्यिकी सूचना आदि तैयार की जाती है, 62 हैं। "क" क्षेत्र में ऐसी संस्थाओं की संख्या 32 है।